केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 30 बुधवार 21 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मंदिर के सौन्दर्यीकरण में मनमानी का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी के ग्राम पंचायत बेहिल निवासी गंगाराम यादव पुत्र राम सहाय एवं ग्रामीणों द्वारा महानिदेशक पर्यटक विभाग उत्तर प्रदेश शासन को शिकायती पत्र देकर बताया है कि ग्राम पंचायत बेहिल में शिव जी का प्राचीन मंदिर है , मंदिर के सुंदरीकरण के लिए शासन ने शिव मंदिर के पर्यटक स्थल पर करीब 92 लाख रुपये से ज्यादा विकास कार्यों एवं वहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दिया गया था, लेकिन कार्य वर्क ऑर्डर के हिसाब से न होकर वहाँ मनमानी तरीके से कार्य को करा कर सरकार के धन का दुरुपयोग किया गया है।

शिकायती पत्र में कहा गया है कि मंदिर के चारो तरफ का दीवार बीच – बीच मे अधूरा छोड़ दिया गया है, और जल निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं किया गया हैं। दुर्गा मंदिर सहित कुछ अन्य जगहों पर अधूरा कार्य किया गया है, बारिश होने पर मंदिर परिसर मे गांठ तक पानी भर जाता है, और जो भी काम किया गया है उन कार्यों की क्वालिटी बिल्कुल भी ठीक नहीं है, इसलिए वहां के कार्य की जांच कर पुनः अधूरे कार्य को पूर्ण करने का आदेश दिया जाए ।

जयन्ती पर याद किये गये पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से पार्टी दफ्तर पर सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई। वक्ताओं ने राजीव गांधी को याद करते हुये उन्हे युगदृष्टा बताया और कहा नियति ने हमसे राजीव जी को असमय न छीना होता तो आज भारत की दशा, दिशा कुछ और होती। पार्टी अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू ने कहा राजीव गांधी ने 40 साल की उम्र में भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। 1984 से 1989 के अपने अल्प संमय की राजनीति में उन्होने आधुनिक भारत की बुनियाद रखी। देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा राजीव जी की हत्या से समूचा विश्व हिल गया था। देश ने एक ऐसा नेता खोया था जिसकी क्षति हजारों साल तक महसूस की जायेगी। वे युगदृष्टा थे। जयंती अवसर पर आयोजित गोष्ठी को नर्वदेश्वर शुक्ल, रामभवन शुक्ल, बाबूराम सिंह, जयंत चौधरी, अवधेश सिंह, गंगा प्रसाद मिश्र, अशोक श्रीवास्तव, डीएन शास्त्री, भूमिधर गुप्ता, लीगल सेल के शिवनारायण पाण्डेय आदि ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता मो. रफीक खां ने किया। राजीव गांधी ने विपरीत परिस्थितियों में देश की बागडोर संभाला था लेकिन प्रतिशोध की भावना से काम नही किया। इससे पहले पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने स्व. राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धासमुन अर्पित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शकुन्तला देवी, अमरबहादुर शुक्ल, बृजेश कुमार पाण्डेय, मो. अशरफ अली, लक्ष्मी यादव, शमसुद्दीन, ज्ञानप्रकाश पाण्डेय, सर्वेश शुक्ल, डा. मारूफ अली, शौकत अली नन्हू, सलाउद्दीन, शेर मोहम्मद, संजीव त्रिपाठी, सुजीत शुक्ल, वीरेश सिंह, राकेश मणि त्रिपाठी, बबलू गुप्ता, अखिलेश साहनी, पवन तिवारी, हेमन्त कुमार, अतीउल्लाह सिद्धीकी, मो. अकरम, दिलीप श्रीवास्तव, सद्दाम हुसेन, जयप्रकाश अग्रहरि, दूधनाथ पटेल, अजीत पाण्डेय, अलीम अख्तर, अरूण त्रिपाठी, अजय प्रताप सिंह, अमित कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

झुकी सरकार: लेटरल एंट्री पर रोक

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र सरकार ने विवादों के बीच लेटरल एंट्री पर रोक लगा दी है। मंगलवार को केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष प्रीति सूदन को पत्र लिखकर लेटरल एंट्री का विज्ञापन रद्द करने को कहा ताकि कमजोर वर्गों को सरकारी सेवाओं में उनका उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। आयोग ने 17 अगस्त को 'लेटरल एंट्री' के जरिए विभिन्न विभागों में 45 संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों की सीधी भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की थी। पिछले 15 दिनों के अंदर ऐसा दूसरी बार हुआ है जब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे हैं। इससे पहले 8 अगस्त को सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल लोकसभा से वापस ले लिया था और उसे जेपीसी के पास भेज दिया था। अब सरकार ने भारी विरोध को देखते हुए लेटरल एंट्री पर रोक लगा दी है।

कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के लेटरल एंट्री के फैसले की कड़ी आलोचना की थी और इसका विरोध किया था। उनका आरोप था कि लेटरल एंट्री के जरिए उच्च पदों पर सीधी बहाली कर सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण अधिकारों का हनन कर रही है। जब विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा तो केंद्रीय कानून मंत्री ने तर्क दिया कि यह कांग्रेस के शासन काल में ही शुरू हुआ है और पंडित नेहरू से लेकर इंदिरा और राजीव गांधी की सरकार तक ने इसके जरिए सीधी नियुक्तियां की हैं।

ऐसा नहीं है कि सिर्फ विपक्षी दलों ने ही केंद्र सरकार की इस स्कीम की आलोचना की हो और अपना विरोध जताया हो। एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी 'लेटरल एंट्री' के जरिए सरकारी पदों पर नियुक्तियों के किसी भी कदम की आलोचना करते हुए कहा कि वह केंद्र के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे।

चिराग के अलावा बिहार से ही दूसरी सहयोगी पार्टी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू ने भी लेटरल एंट्री का विरोध किया था। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने हालांकि सधे शब्दों में कहा, 'वे लेटरल एंट्री के विज्ञापन का दुरुपयोग करेंगे, इससे राहुल गांधी पिछड़ों के चैंपियन बन जाएंगे। केसी त्यागी ने कहा कि सरकार ऐसे फैसलों के जरिए विपक्ष को मुद्दा दे रही है, इसलिए इसे वापस ले लेना चाहिए।

कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव बने नवीन कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के चेयरमैंन नितिन मिश्रा ने नवीन कुमार श्रीवास्तव को प्रदेश महासचिव और बस्ती मण्डल का प्रभारी नामित किया है।

नवीन कुमार श्रीवास्तव को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग बस्ती मण्डल का महासचिव नामित किये जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू, नोमान अहमद, एडवोकेट आदर्श मद्धेशिया, रवि पाण्डेय, अंकुश, विजय श्रीवास्तव, राहुल, रहमान, आशीष श्रीवास्तव, आशुतोष, राम सहाय श्रीवास्तव, राम लखन सिंह, शिवम, अरूण पाण्डेय के साथ ही अनेक कांग्रेस नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि निश्चित रूप से नवीन कुमार श्रीवास्तव अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन कर कांग्रेस को मजबूती देंगे।

निपुण भारत मिशन का चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीआरसी हरैया के सभागार में मंगलवार को चार दिवसीय निपुण भारत मिशन प्रशिक्षण का शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी बड़कऊ वर्मा ने किया। प्रशिक्षण के पहले दिन संदर्भदाता एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उमेश सिंह, संदीप सिंह, उदय प्रताप सिंह, सुनील बौद्ध ने पठन अभ्यास तथा प्रवाह पूर्ण पठन, कक्षा कार्य की रणनीति, शिक्षक संदर्शिका पर संक्षिप्त चर्चा, संदर्शिका के सैद्धांतिक भाग, शिक्षण योजना, गतिविधियों का दोहराव आदि विषय पर वीडियो, समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण आदि के माध्यम से विस्तृत जानकारी दिया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आज दो बैच में 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू हुआ है। निपुण भारत मिशन प्रशिक्षण प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षकों और शिक्षामित्रों का होना है। प्रशिक्षण में राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, ऋषि सिंह, दिवाकर सिंह, राजेश वर्मा ने तकनीकी सहयोग किया। प्रशिक्षण में रवीश कुमार मिश्र, शैलेश कुमार सिंह, शिव प्रकाश पाण्डेय, आनन्द सिंह, अविनाश सिंह, विभोर कुमार, विपिन शुक्ल, राकेश सिंह, लवकुश त्रिपाठी, चिन्मय राय, राजीव शुक्ल, जय शंकर मिश्र, गिरधारी लाल, अभिषेक मौर्य, राम नरेन्द्र वर्मा, भानू प्रताप वर्मा, जय प्रकाश वर्मा, निशांत मिश्र, प्रदीप गुप्ता, जीतेंद्र कुमार, मनमोहन, जीतेंद्र वरुण, भागीरथी, विवेक, विनोद, मंजूरानी, सरोजबाला, निरुपमा तिवारी, ज्योति शुक्ला, द्रोणिका मिश्रा, वन्दना आदि मौजूद रहे।

रालोद के पदाधिकारी घोषित: इरफान उपाध्यक्ष, रमेश प्रवक्ता बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोकदल जिलाध्यक्ष उदयभान चौधरी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श और संस्तुति के बाद संगठन के विस्तार हेतु पदाधिकारियों की घोषणा किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से उदयभान चौधरी ने बताया कि इरफान अहमद जिला उपाध्यक्ष, रमेश चन्द्र गिरी जिला प्रवक्ता, प्रमोद चौधरी, मो. रफीक, नागेन्द्र कुमार सचिव, रविन्द्र चौधरी उर्फ गोलू विधानसभाध्यक्ष बस्ती सदर का दायित्व सौपा गया है।

बैठक में रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि मजबूत संगठन, नीति, कार्यक्रम के आधार पर ही जनता का भरोसा जीता जा सकता है। क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि पदाधिकारी और कार्यकर्ता रालोद के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को जोड़े। किसान, नौजवानों का उत्थान हमारी प्राथमिकता है, उनके हितों के लिये पार्टी का रचनात्मक संघर्ष जारी रहेगा। रालोद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। इस दिशा में निरन्तर सक्रियता बनाये रखा जाय।

बैठक में प्रमोद चौधरी, राम सजीवन द्विवेदी, निसार अहमद, संदीप पटेल, राकेश कुमार विश्वकर्मा, शिव कुमार वर्मा, मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी, चन्द्रिका प्रसाद, महेन्द्र चौहान, मुन्नीलाल, इन्द्र बहादुर यादव, सामईन फारूकी, श्रीराम मौर्य, अशरफ अली, प्रदीप चौधरी, के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

आरक्षण के सवाल पर आयोजित भारत बंद में हिस्सा लेंगे समाजवादी

–भाजपा का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आ गया–महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में 21 अगस्त बुधवार को अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण के मामले को लेकर आयोजित भारत बंद के सफलता की रणनीति बनायी गई। बैठक में सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सुनियोजित तरीके से आरक्षण को समाप्त करने की दिशा में लगातार षड़यंत्र कर रही है। यूपी में 69000 शिक्षक भर्ती में मनमानी का सच सामने आ गया है। सपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर समाजवादी पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता भारत बंद में शातिपूर्ण ढंग से हिस्सा लेंगे और आरक्षण, संविधान बचाओ आन्दोलन के पीडीए के संकल्प को मजबूती देंगे। निर्णय लिया गया कि समाजवादी पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता बुधवार को सुबह सात बजे लाल बहादुर शास्त्री प्रतिमा के निकट एकत्र होंगे और भारत बंद के आवाहन पर बस्ती बंद कराने में योगदान देंगे।

बैठक में विधायक राजेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, वीरेन्द्र चौधरी, जावेद पिण्डारी, हरीश गौतम, विजय विक्रम आर्या, जमील अहमद, मो. स्वालेह आदि ने कहा कि ससाजवादी पार्टी का स्पष्ट मत है कि आरक्षण का अधिकार पूर्ववत दिया जाय और नियमों का पालन कराया जाय किन्तु भारतीय जनता पार्टी अनेक षड़यंत्रों के द्वारा आरक्षण को समाप्त कर देने का कुचक्र रच रही है। सपा इसे सफल नही होने देगी। पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता भारत बंद कार्यक्रम में शातिपूर्ण तरीके से हिस्सा लेकर ध्यानाकर्षण करेंगे। पीडीए का संघर्ष चरणबद्ध ढंग से जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने तो बहुत पहले स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा आरक्षण विरोधी है। अब उसका असली चेहरा सामने आ गया है। पार्टी अधिकारों के लिये संघर्ष करने वालों के साथ पूरी ताकत से खड़ी है।

सपा की बैठक में मुख्य रूप से विपिन त्रिपाठी, राम शंकर निराला, समीर चौधरी, अरविन्द सोनकर, गीता भारती, राम उजागिर गौतम, रमेश गौतम, कन्हैया सोनकर, गिरीश चन्द्र, संजय गौतम, प्रशान्त यादव, युनूस आलम, भोला पाण्डेय, अरविन्द यादव, मो. उमर, मो0 सलीम, मो. अहमद सज्जू, मो. हारिश, मंशाराम कन्नौजिया आदि उपस्थित रहे।

सिपाही भर्ती परीक्षा: सदिग्धों की सेंटर पर ही होगा ईकेवाईसी

लखनऊ (आभा)। प्रदेश सरकार ने पुलिस की भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए तैयारियां मुकम्मल कर ली हैं। मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ के निर्देश पर 60,244 सिपाहियों के पदों पर चयन के लिए होने वाली इस परीक्षा को प्रदेश के 67 जिलों में 23 से 25 अगस्त और 30, 31 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए अब तक 48 लाख अभ्यर्थियों का आधार सत्यापन कराया जा चुका है जबकि शेष की सत्यापन प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा संदिग्ध अभ्यर्थियों के सत्यापन के लिए परीक्षा केंद्र पर ही ईकेवाईसी की व्यवस्था की जा रही है। इनकी परीक्षा के बाद भी स्कूटनी की जाएगी।

48 लाख आवेदनों की जांच में 20 हजार से अधिक अभ्यर्थी संदिग्ध निकले है। सत्यापन में इनके आधार कार्ड का ब्योरा मूल डाटा से मेल नहीं खाया है। इन अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेज लेकर परीक्षा केन्द्र पर ढाई घंटे पहले पहुंचना होगा। इसके साथ ही भर्ती बोर्ड ने इन अभ्यर्थियों के बारे में उनके संबंधित जिलों की पुलिस को भी अर्लट कर दिया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष डीजी राजीव कृष्ण ने बताया कि परीक्षा को पूरी तरह से पारदर्शी बनाने की कोशिश की गई है। इसी कड़ी में 48 लाख अभ्यर्थियों के आधार का सत्यापन कराया जा चुका है। इस परीक्षा में 48 लाख 17 हजार 441 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इनमें करीब 20 हजार अभ्यर्थियों के आधार कार्ड मूल डाटा से मेल नहीं खाए हैं। इसलिए इन अभ्यर्थियों को संदिग्ध माना गया है। इनके आधार कार्ड व अन्य आईडी का सत्यापन परीक्षा केन्द्र पर किया जाएगा।

ढाई घंटे पहले पहुंचना होगा इन अभ्यर्थियों को डीजी राजीव कृष्णा ने बताया कि जिनके आधार कार्ड संदिग्ध पाए गए हैं, इन्हें परीक्षा केन्द्र पर ढाई घंटे पहले पहुंचना होगा

शत प्रतिशत राजस्व वसूली का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में कर–करेत्तर, राजस्व वसूली एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुयी। समीक्षा करते हुए उन्होने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत वसूली सुनिश्चित करायें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि माहवार कार्ययोजना तैयार कर राजस्व वसूली करें ताकि वर्ष के अन्त में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत वसूली हो सकें। उन्होने राजस्व वसूली से संबंधित कुछ मामलों में अपर जिलाधिकारी कार्यालय, संबधित तहसीलों से सम्पर्क स्थापित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है।

उन्होने राज्यकर, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन, आबकारी, सम्भागीय परिवहन, विद्युत, मण्डी, खाद्य सुरक्षा विभाग आदि अन्य विभागों की गहन समीक्षा किया। बैठक का संचालन अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय ने किया। इसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, संतकबीर नगर के महेंद्र सिंह तंवर, सिद्धार्थनगर के डा. राजा गणपति आर, एडीएम प्रतिपाल चौहान, संतकबीर नगर के जयप्रकाश, सिद्धार्थनगर के उमाशंकर, बन्दोबस्त चकबन्दी संजय कुमार बाजपेयी, अजय प्रकाश दीक्षित, शशांकशेखर राम, डिप्टी कमिश्नर वाणिज्यकर प्रभाकर सरोज, उपायुक्त आबकारी आर.के. शर्मा, सम्भागीय परिवहन अधिकारी रविकान्त शुक्ल, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत मनोज सोनकर, रमेश सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डीएम ने भाकियू के साथ किया बैठक: समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को किसानों के 13 सूत्रीय मांगो को लेकर भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी रबीश गुप्ता ने बैठक किया और स्थानीय समस्याओं के प्रभावी निराकरण का आश्वासन दिया। भाकियू जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि गत 9 अगस्त को राष्ट्रीय नेतृत्व और संयुक्त किसान मोर्चा के आवाहन पर किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाल कर ज्ञापन दिया गया था। उसी दिन जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि वे बैठक कर समस्याओं का समाधान करायेंगे।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी, प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल, पूर्वान्चल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोभाराम ठाकुर, जयराम वर्मा, रामचन्दर सिंह, डा. आर.पी., विनोद चौधरी, त्रिवेनी चौधरी, राम महीपत, रमेश चौधरी आदि ने किसान आयोग का गठन किये जाने, एम.एस.पी. लागू किये जाने, स्वामीनाथन आयोग के अनुसार फसल मूल्य निर्धारण, किसान समस्याओं के समस्याओं के समाधान, व्याज समेत गन्ना मूल्य भुगतान कराये जाने, , बिजली संकट दूर किये जाने, वाल्टरगंज चीनी मिल चलाये जाने, गन्ना किसानों, मिल श्रमिकों का बकाया भुगतान कराये जाने, आगामी पेराई सत्र में गन्ने का मूल्य 500 रूपया प्रति क्विंटल निर्धारित किये जाने, सहारा के उपभोक्ताओं का वर्षो से अटका रूपया दिलाये जाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, छुट्टा पशुओं पर अंकुश लगाये जाने, खाद, बीज, कीटनाशक, कृषि यंत्रों से जीएसटी हटाकर छूट का लाभ किसानो के खाते में भेजे जाने, बाढ से हुई फसल के नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाये जाने आदि का मुद्दा उठाया। भाकियू जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी ने बताया कि डीएम ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि स्थानीय स्तर की जो समस्यायें हैं उनका शीघ्र निदान कराया जायेगा। अन्य विषय शासन को भेज दिये जायेंगे। भाकियू के साथ हुई अधिकारियों की बैठक में कृषि विभाग, समाज कल्याण, वन प्रभाग, बिजली, सिंचाई आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ता के दौरान ब्रम्हदेव, गंगाराम चौधरी, सलीम खा, रामपाल सिंह, राधेश्याम, रामकृष्ण, बब्लू चौधरी, रामकेवल चौधरी, आज्ञाराम, रविन्द्र चौधरी, अशर्फीलाल साथ ही भाकियू के पदाधिकारी शामिल रहे।

हजरत मोहम्मद साहब की शान में दिये गये आपत्तिजनक बयान से रोष: राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को अन्जुमन रजा– ए– मुस्तफा जिलाध्यक्ष ओवैदुर्रहमान और भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में पदाधिकारियों और सदस्यों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि महाराष्ट्र राज्य के नासिक जिले के सिन्नर तालुका में रामगिरी महाराज असली नाम सुरेश रामकृष्ण राणे द्वारा पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की शान में दिये गये आपत्तिजनक बयान पर संवैधानिक ढंग से विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाय।

ज्ञापन देने के बाद अन्जुमन रजा– ए– मुस्तफा जिलाध्यक्ष ओवैदुर्रहमान और भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि रामगिरी महाराज ने जिस प्रकार से धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया वह चिन्ताजनक है। येवला सिटी पुलिस स्टेशन में रामगिरी महाराज के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है किन्तु उनकी गिरफ्तारी भी नहीं की गई जिससे रोष व्याप्त है। कहा कि राष्ट्रपति इस मामले में हस्तक्षेप करें जिससे गंगा जमुनी तहजीब सुरक्षित रहे।

राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजने वालों में मुख्य रूप से हृदय गौतम, प्रदीप गौतम, रामवृक्ष, करामुतुल्लाह, जी.एम. खान, अयूब अहमद, सैय्यद असद अहमद, मौलाना आरिफ, हाफिज अब्दुल लतीफ, हबीब अहमद, सफी मोहम्मद, हाजी नियाज अहमद, पीर मोहम्मद, मौलना अब्दुर्रहमान के साथ ही अन्जुमन रजा– ए– मुस्तफा और भारत मुक्ति मोर्चा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 अगस्त 2024 बुधवार

सम्पादकीय

बांग्लादेश के बदलते सन्दर्भ

यह पहली बार है जब बंगलादेश में हिंदुओं और उनके धर्मस्थलों पर हुए हमले के विरुद्ध पूरी दुनिया में आक्रोश प्रदर्शन देखा गया। स्वयं बंगलादेश में भी भारी संख्या में हिंदू सड़कों पर उतरेंगे, इसकी भी कल्पना नहीं थी। इसी का परिणाम हुआ कि बंगलादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार की ओर से औपचारिक रूप से हिंदुओं से माफी मांगी गई तथा कहा गया कि हम आपकी हर हाल में रक्षा करेंगे। बंगलादेश की राजधानी ढाका में जैसे हिंदुओं का जन–सैलाब उमड़ पड़ा हो। स्त्री–पुरुष, बच्चे–जवान, वयस्क–बुजुर्ग सबको सड़कों पर प्रदर्शन करते, नारा लगाते, वक्तव्य देते देखकर लग रहा था कि उनके अंदर संघर्ष करने और अपना अधिकार पाने का जज्बा बना हुआ है।

प्रदर्शन में महिलाएं भी नेतृत्व करती दिखीं। सच यही है कि अगर बंगलादेश के हिंदुओं ने साहस नहीं दिखाया होता तो उनको विश्व का जन–समर्थन नहीं मिलता। वहां की तस्वीरें और वीडियो किसी को भी रोमांचित करती हैं। इसके साथ भारत में भी अलग–अलग शहरों में प्रदर्शन शुरू हुआ जो चल रहा है। सबसे बड़ा प्रदर्शन नारी शक्ति के नेतृत्व में दिल्ली के मंडी हाऊस से जंतर–मंतर तक 16 अगस्त को हुआ। भारत के बाहर अमरीका, इंगलैंड, फ्रांस, कनाडा और न जाने किन–किन देशों के हिंदुओं ने सड़कों पर उतर कर बंगलादेश के हिंदुओं के साथ एकता दर्शाई तथा अपने–अपने देश से मांग की कि वहां शेख हसीना की सत्ता उखाड़ फैंकने के बाद शासन चलाने वालों पर दबाव बढ़ाया जाए। इसका प्रभाव भी हुआ। संयुक्त राष्ट्र संघ ने हिंदुओं पर हमले रोकने की मांग की तो अमरीका व कुछ अन्य देशों का भी ऐसा ही बयान आया।

हालांकि भारत ने शेख हसीना के बंगलादेश छोड़कर यहां आने के बाद से ही अपना स्टैंड बिल्कुल स्पष्ट रखा। संसद में दिए बयान में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम वहां की अथॉरिटी से संपर्क में हैं। पूरे बयान में यह निश्चयात्मक भाव था कि वहां गैर मुस्लिमों, विशेषकर हिंदुओं, बौद्धों, सिखों आदि पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए भारत जो कुछ संभव है करेगा। जब मोहम्मद यूनुस कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई में ही हिंदुओं पर हो रहे हमलों का जिक्र करते हुए उम्मीद जताई कि नई सरकार उसे रोकेगी।

मोदी सरकार ने 2019 में ही अपने 3 पड़ोसी देशों पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बंगलादेश के गैर मुसलमानों की धार्मिक प्रताडना को आधार बनाकर ही नागरिकता संशोधन कानून बनाए, जो इसके प्रति वर्तमान भारत की प्रतिबद्धता दर्शाता है। हालांकि कुछ सीमांत इलाकों में बंगलादेशी हिंदू भारत में प्रवेश करने के लिए भी पहुंच गए। इससे यह संकेत मिला कि यदि आगे स्थिति बिगड़ी तो भारत को इसके संबंध में स्पष्ट नीति और तैयारी रखनी पड़ेगी। जैसी जानकारी है, भारत सरकार लगातार बंगलादेश सरकार के अलावा वहां के संगठनों, प्रमुख धार्मिक संस्थाओं तथा वैश्विक एजैंसियों व प्रमुख देशों के साथ भी इस मामले पर संपर्क में है। बंगलादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान का चरित्र इस मामले में भयावह रहा है। बंगलादेश में 1951 में हिंदुओं की आबादी लगभग 22 प्रतिशत थी।

2011 तक यह घटकर लगभग 8.54 प्रतिशत रह गई। बंगलादेश की समाचार वैबसाइट 'डेली स्टार' के अनुसार 2022 में भारत के इस पड़ोसी देश की आबादी साढ़े 16 करोड़ से कुछ ज्यादा थी, जिसमें 7.95 प्रतिशत हिंदू थे। वैसे संख्या के हिसाब से देखें तो हिंदू वहां 1 करोड़, 31 लाख (13.1 मिलियन) हैं। धार्मिक उत्पीडन, जबरन धर्म परिवर्तन, संपत्तियों पर कब्जा आदि पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान में समान रहा है। शेख हसीना के कार्यकाल में भी हिंदू लगातार धार्मिक उत्पीडन और हिंसा के शिकार रहे हैं। इन देशों में एक पूरा ढांचा मजहबी कट्टरवाद का है, जिनके लिए गैर इस्लामिक काफिर हैं और उनको इस्लाम के अंदर लाने या न आने पर प्रताडिघ्त करना वे अपना मजहबी दायित्व समझते हैं। यह आम समाज से लेकर सत्ता तक विस्तारित है। शेख हसीना शासन में हिंदू लगातार हमले के शिकार हुए। यहां तक कि जिस बैनर से छात्र आंदोलन हुए, उसके लोग भी हमले, तोडफोड़, आगजनी और लूट के साथ हिंदू बच्चियों और लड़कियों को उठाकर ले जाते पाए गए।

बंगलादेश के हिंदुओं ने जैसा प्रदर्शन किया है, निश्चित रूप से वहां गठित की गई वर्तमान अंतरिम सरकार को भी इसकी कल्पना नहीं होगी। आखिर आज तक जो नहीं हुआ, वह आगे होगा, इसकी कल्पना कैसे की जा सकती है। या तो इसे 'मरता क्या न करता' का परिणाम कहा जाए क्योंकि हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों के पास कोई चारा ही नहीं बचा था। दूसरी ओर पिछले 10 वर्षों में भारत के चरित्र में आए परिवर्तन तथा दुनिया भर में इसके प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता। इस स्थिति ने ही विश्व भर के हिंदुओं और इनसे जुड़े समुदायों के अंदर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मबल पैदा किया है।

ध्यान रखिए कि बंगलादेश के हिंदू समुदाय ने कहीं भी हिंसा का प्रत्युत्तर हिंसा से नहीं दिया। यही स्थिति अन्य जगहों पर भी है। अनुभव बताता है कि जो भी समाज अपनी सुरक्षा के लिए उठकर खड़ा नहीं होता, उसकी ओर कोई ध्यान नहीं देता। उनकी पंक्ति देखिए, ''हम आपकी रक्षा करने में विफल रहे हैं और इसके लिए हमें खेद है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें लेकिन हम इसमें असफल रहे हैं। यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि देश के बहुसंख्यक समुदाय की भी है। हमारा कर्त्तव्य है कि हम अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करें, ये हमारे मजहब का भी हिस्सा हैं।'' यहीं पर आगे वे क्षमा भी मांगते हैं, ''मैं अपने अल्पसंख्यक भाइयों से क्षमा चाहता हूं। हम अराजकता के दौर से गुजर रहे हैं। मैं पूरे समाज से आग्रह करता हूं कि आप उनकी रक्षा करें, वे हमारे भाई हैं और हम सब एक साथ बड़े हुए हैं।''

पीने के पानी पर जलवायु परिवर्तन का खतरा

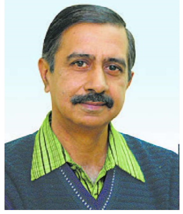

—मुकुल व्यास—

दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वंचित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है। शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को सटीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व–स्तरीय मॉडल विकसित किया है। सबसे खराब स्थिति में, 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं। इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की पिघलती हुई टोपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं। लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता।

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है। लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है। यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं। फिर भी,यह आश्चर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है। सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है। लेकिन बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं। इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है,या आर्सेनिक और मैंगनीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी मे घुल सकती है।

इस अध्ययन की मुख्य लेखिका और जर्मनी के कार्लश्रु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की भू–विज्ञानी सुजैन बेंज के अनुसार दुनिया मे पहले से ही लगभग 3 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं,जहां भूजल पीने के पानी के सख्त दिशा–निर्देशों में निर्धारित तापमान से ज्यादा गर्म है। इसका मतलब है कि बिना ट्रीटमेंट के वहां का पानी पीना सुरक्षित नहीं है। आसपास पर्याप्त आकार के सतही जलाशयों वाली आबादी के लिए भी गर्म भूजल उन प्रमुख कारकों को बदल सकता है जो पानी को मानव उपभोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। 7.7 करोड़ से 18.8 करोड़ लोगों के ऐसे क्षेत्र में रहने का अनुमान है जहां भूजल 2100 तक पीने योग्य मानकों को पूरा नहीं कर पाएगा। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि भूजल की रक्षा के लिए कार्रवाई करना और भूजल पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए स्थायी समाधान खोजना कितना आवश्यक है।

इस बीच, जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं। फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्सर्जित कर रहे हैं। इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। विशेषज्ञों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन बढ़ रहा है। 2020 से इसमें तेजी आई है। यदि हम बहुत जल्द कुछ कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उत्सर्जन की यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

नए अध्ययन के शोधकर्ताओं ने मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए रणनीतियां तैयार की हैं जिनका उपयोग विभिन्न देश उचित कार्रवाई करने के लिए कर सकते हैं। इसमें मदद करने के लिए उन्होंने एक ऑनलाइन टूल भी विकसित किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मीथेन उत्सर्जन में यह निरंतर वृद्धि मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के लगातार उपयोग के कारण है। मीथेन सीधे तेल,गैस और कोयले की ड्रिलिंग और प्रोसेसिंग द्वारा उत्पादित होती है। अब एक नई बात यह है कि गर्म जलवायु के कारण प्राकृतिक आर्द्रभूमि से मीथेन का बढ़ता उत्सर्जन ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि कर रहे हैं। लैंडफिल, पिघलते हुए पर्माफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) और पशुधन से भी मीथेन का उत्पादन होता है। अमेरिका में ड्यूक विश्वविद्यालय के जलवायु विशेषज्ञ ड्रू शिंडेल का कहना है कि फिलहाल इन स्रोतों से उत्सर्जन में योगदान मामूली है। हालांकि इन पर भी बारीकी से नजर रखने की जरूरत है।

शोधकर्ताओं ने अपने पेपर में लिखा है कि जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए दुनियाभर के प्रयास मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड पर केंद्रित हैं। चूंकि मानव जाति कई दशकों से जलवायु परिवर्तन को पर्याप्त रूप से निपटने में विफल रही है, इसलिए अब वार्मिंग को तय लक्ष्यों से नीचे रखने के लिए हमें सभी प्रमुख जलवायु प्रदूषकों पर अंकुश लगाने पड़ेंगे। इस समय हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में मीथेन की मात्रा बहुत कम है,लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मीथेन एक अधिक शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैस है। हम जानते हैं कि दुनिया के गर्म होने में मीथेन का भी एक बड़ा योगदान है जो कार्बन डाइऑक्साइड की तरह ही गर्मी को कैद करती है। यह जमीन पर ओजोन के निर्माण में भी योगदान देती है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के कारण मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययन में पाया गया है कि इन सभी मीथेन स्रोतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड में कमी लाने के लक्ष्यों के साथ–साथ मीथेन में कमी के लक्ष्यों को भी लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए नई प्रौद्योगिकियों और नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने लिखा है कि इस दशक में मीथेन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाना निकट भविष्य में गर्मी को धीमा करने और कम वार्मिंग के कार्बन बजट को पहुंच के भीतर रखने के लिए आवश्यक है। कार्बन बजट से अभिप्राय प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड की औसत मात्रा से है, जिसे वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए उत्पादित किया जा सकता है।—लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

मिले गुरू, शिष्य, जीवन्त हुईं यादें

—मनोज सिंह—

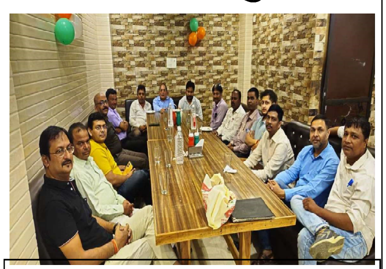

वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली इस कदर भ्रष्ट हो गई है कि एक तरफ जहां प्राइवेट स्कूलों में अच्छी शिक्षा व्यवस्था है लेकिन बहुत से ऐसे भी प्राइवेट विद्यालय हैं जहां पर शिक्षा कम से कम और डिग्री अधिक से अधिक देने का चलन पैसा लेकर हो गया है यही कारण है कि आज देश में बेरोजगारों की फौजी तैयार हो गई यही कारण है कि फर्जी डिग्री धारी युवा ना घर के है ना किसी घाट के लेकिन अगर 5 प्रतिशत ऐसे युवा जो कालेजों द्वारा प्रदान वैधानिक किन्तु बिना ज्ञान के डिग्री के चलते किसी सरकारी जाब को पा भी जाते हैं तो वह अपनी कार्य शैली नहीं छोड़ते देश के उन लोगों को गंभीरता से सोचना होगा कि वह लोग जो किसी तरह सम्पन्न होकर बड़े–बड़े कॉलेज शिक्षा कम पैसा लेकर नकल कराकर अधिक डिग्री देकर बेरोजगारों की फौज खड़ी कर रहे हैं कहीं आने वाले कल में अपने और समाज में विष घोल रहें हैं।

जीवन के धूप और छांव में जैसे किसी पथिक को वटवृक्ष की छांव में शीतलता का अनुभव होता है कुछ ऐसा ही सुखद अनुभव उस समय देखने को मिला जब नवोदय विद्यालय रुधौली के पूर्व शिक्षक श्रद्धेय दिनेश चंद्र मिश्र जी सुल्तानपुर के कादीपुर से आकर अपने पुरातन नयोदय छात्रों के स्नेहिल आग्रह पर बस्ती जनपद में मिलने आये । नवोदय विद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले पुरातन छात्रों में डाक्टर,शिक्षक, अधिकारी और व्यवसाय जगत से जुड़े हुए नवोदय विद्यालय की संस्कृति की छाप और आदर्श शिक्षा की झलक व्यवहार में नजर आया ।

देश की आजादी से लेकर वर्तमान समय की राजनीतिक सामाजिक और शिक्षा क्षेत्र के संबंध में चर्चाएं होती रही वहीं सरकार और प्रदेश सरकार के कुछ कार्यों की जहां एक तरफ लोगों ने प्रशंसा किया वहीं शिक्षा के क्षेत्र में अटल आवासीय शिक्षण संस्थान की तारीफ करते हुए लोगों ने कहा की नवोदय विद्यालय ने देश और प्रदेश को अनेक आई ए एस,पीसीएस तथा शिक्षा क्षेत्र व्यवसाय जगत , विज्ञान तथा पत्रकारिता क्षेत्र में अनेक प्रतिभाशाली युवाओं को देश को समर्पित किया जो हर क्षेत्र में देश और प्रदेश का मान बढ़ाने के साथ नवोदय विद्यालय का भी नाम रोशन कर रहे हैं।

लेकिन कुछ लोगों ने दुख जताते हुए कहा की नवोदय विद्यालय को संचालन में जो धनराशि पहले दिया जा रहा था उसमें कटौती की गई है जबकि महंगाई को देखते हुए दिये जाने वाला ग्रांड बढ़ना चाहिए लेकिन पूर्व में दिए जाने वाले फंड को बढ़ाने को कौन कहे उसको घटाकर प्रतिभाशाली छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया इससे देश के प्रतिभाशाली युवाओं को नवोदय जैसी आदर्श स्कूल के बच्चों के भविष्य में बेहतर सुख सुविधा न होने से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी और प्रतिभाशाली युवा हतोत्साहित होंगे सरकार को चाहिए कि नवोदय विद्यालय को दिए जाने वाले ग्रांड को पूर्व की तरह उचित ढंग से देने की जरूरत है देश की अन्य शिक्षण संस्थाएं तरक्की करें लेकिन नवोदय विद्यालय जिसने प्रतिभाशाली युवाओं को अपने शिक्षण संस्थान में लाखों की संख्या में तैयार किया है उस विद्यालय में शिक्षा ग्रहण वाले करने वाले बच्चे हतोत्साहित ना हो ।

वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली इस कदर भ्रष्ट हो गई है कि एक तरफ जहां प्राइवेट स्कूलों में अच्छी शिक्षा व्यवस्था है लेकिन बहुत से ऐसे भी प्राइवेट विद्यालय हैं जहां पर शिक्षा कम से कम और डिग्री अधिक से अधिक देने का चलन पैसा लेकर हो गया है यही कारण है कि आज देश में बेरोजगारों की फौजी तैयार हो गई यही कारण है कि फर्जी डिग्री धारी युवा ना घर के है ना किसी घाट के लेकिन अगर 5 प्रतिशत ऐसे युवा जो कालेजों द्वारा प्रदान वैधानिक किन्तु बिना ज्ञान के डिग्री के चलते किसी सरकारी जाब को पा भी जाते हैं तो वह अपनी कार्य शैली नहीं छोड़ते देश के उन लोगों को गंभीरता से सोचना होगा कि वह लोग जो किसी तरह सम्पन्न होकर बड़े–बड़े कॉलेज शिक्षा कम पैसा लेकर नकल कराकर अधिक डिग्री देकर बेरोजगारों की फौज खड़ी कर रहे हैं कहीं आने वाले कल में अपने और समाज में विष घोल रहें हैं। वही नवोदय जैसी शिक्षण संस्थाएं प्रतिभाशाली युवाओं को आदर्श शिक्षा देकर देश की प्रगति में आदर्श प्रस्तुत कर रहीं हैं। गुरु कुल की परम्परा का अनुशरण के चलते अनेक युवा मित्र जो नवोदय विद्यालय से शिक्षा ग्रहण किए थे वह अपने शिक्षक गुरु के साथ बैठकर समसामयिक चर्चाओं में व्यस्त और मस्त दिखे संयोग वश आदरणीय श्री मिश्र जी के सौजन्य से जनपद के अच्छे स्वभाव के नवोदय विद्यालय के पुरातन ऊर्जावान सामाजिक लोगों से मिलने का अवसर मौका मिला जो लोग पदों पर रहते हुए समाज सेवा और अपनत्व का दामन नहीं छोड़ा यही कारण है कि वह लोग आपस में एक दूसरे के प्रति परस्पर स्नेहिल नजर आये

इस मौके पर डॉ अशोक सिंह जी, उपेन्द्र यादव जी,विवेक त्रिपाठी जी ,अजीत कुमार जी ,मूलचंद जी, विवेक वर्मा जी ,अशोक चौधरी जी, रामविलास जी, सती राम जी, डॉक्टर प्रवीण चौधरी जी, वासुदेव जी, तथा जनपद में भ्रमण के दौरान डॉक्टर पंकज सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर मेडिकल कॉलेज डा हरिओम श्रीवास्तव जी हरैया, डा सुमित पटेल जी, उमेश वर्मा जी, आर पी सिंह जी, डा रेनू कनौजिया असिस्टेंट प्रोफेसर से शिष्टाचार मुलाकात हुई सभी लोग आदरणीय मिश्र जी से मिलकर प्रसन्न नजर आए

विकास का प्रमुख स्तंभ 'अक्षय ऊर्जा'

—योगेश कुमार गोयल—

पूरी दुनिया में पारम्परिक ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारम्परिक ऊर्जा स्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं, जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी–बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। विभिन्न अवसरों पर प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा को 'श्योर, प्योर और सिक्योर' बताते हुए अक्षय ऊर्जा के महत्व को स्पष्ट रेखांकित कर चुके हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में भारत की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है कि भारत दुनियाभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। देश में अक्षय ऊर्जा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है।

प्रदूषणकारी और सीमित मात्रा में उपलब्ध पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों की बजाय अक्षय ऊर्जा से ही ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए अब देश के अलग–अलग हिस्सों में विभिन्न अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से उत्पादित होने वाली बिजली के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में प्रतिवर्ष लाखों टन की कमी आएगी। यह संतोषजनक स्थिति ही है कि भारत नई–नई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। कर्नाटक के पावगाड़ा में 2000 मैगावाट से अधिक क्षमता के सोलर पार्क सहित रीवा से भी ज्यादा सौर ऊर्जा का उत्पादन कर रहे कुछ और सोलर पार्क भी देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

बहरहाल, यह जानना बहुत जरूरी है कि अक्षय ऊर्जा आखिर है क्या और इसके स्रोत कौन से हैं? अक्षय ऊर्जा असीमित और प्रदूषणरहित है, या वह ऊर्जा है जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा के ऐसे प्राकृतिक स्रोत, जिनका क्षय नहीं होता, अक्षय ऊर्जा के स्रोत कहे जाते हैं। अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों में सूर्य, जल, पवन, ज्वार–भाटा, भू–ताप इत्यादि प्रमुख हैं। उदाहरण के लिए सौर ऊर्जा को ही लें। सूर्य सौर ऊर्जा का मुख्य स्रोत है, जिसकी रोशनी स्वतरू ही पृथ्वी पर पहुंचती रहती है। यदि हम सूर्य की इस रोशनी को सौर ऊर्जा में परिवर्तित नहीं भी करते हैं, तब भी यह रोशनी तो पृथ्वी पर आती ही रहेगी लेकिन चूंकि सूर्य से प्राप्त होने वाली इस असीमित ऊर्जा के उपयोग से न तो यह ऊर्जा घटती है और न ही इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचती है, इसीलिए सूर्य से प्राप्त होने वाली इस ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा कहा जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत ही आज अक्षय ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी मांग है। दरअसल पूरी दुनिया इस समय पृथ्वी के बढ़ते तापमान और ग्लोबल वाघ्मग के कारण बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को लेकर बेहद चिंतित है, इसीलिए कोयला, गैस, पैट्रोलियम पदार्थों जैसे ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों की बजाय अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। भारत सहित कई प्रमुख देशों में अब थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल को कम करते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जाने लगा है।

दरअसल आज स्वच्छ वातावरण के लिए कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों की बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की पूरी दुनिया को जरूरत है और इन्हीं जरूरतों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री 'वन वर्ल्ड, वन सन, वन ग्रिड' की बात करते हुए इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकघ्षत कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता कई गुना बढ़ चुकी है। इसके अलावा करीब साढ़े 3 दशक पूर्व पवन ऊर्जा से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की शुरू की गई पहल के बाद से देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता भी काफी बढ़ चुकी है। चीन, अमरीका और जर्मनी के बाद भारत अब पवन ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी चौथे स्थान पर है।

फिलहाल जिस प्रकार देश में शुद्ध, सुरक्षित और भरोसेमंद ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं, उससे लगता है कि अगले कुछ दशकों में देश की कोयला, गैस इत्यादि प्रदूषण पैदा करने वाले स्रोतों से ऊर्जा पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक देश की अक्षय ऊर्जा स्थापित क्षमता को 500 गीगावाट तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है और 2030 तक देश के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करने, दशक के अंत तक देश की अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा वर्ष 2070 तक नैट–जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हाल ही में मूडीज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन करना है और भारत को 2030 तक इस अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए 385 बिलियन डॉलर का निवेश करना होगा।

मूडीज के अनुसार, भारत हालांकि 2022 तक 175 गीगावाट के अपने लक्ष्य से चूक गया था लेकिन 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत की गैर–जीवाश्म ईंधन क्षमता को प्रतिवर्ष 50 गीगावाट बढ़ाने की योजना है और मूडीज के अनुमान के मुताबिक 44 गीगावाट की वार्षिक क्षमता वृद्धि भी लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। मूडीज का कहना है कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को आगामी 6–7 वर्षों में 190–215 बिलियन डॉलर तथा ट्रांसमिशन और वितरण पर 150–170 बिलियन डॉलर खर्च करने होंगे। मूडीज के मुताबिक, भारत के मजबूत नीतिगत समर्थन ने वित्त वर्ष 2023–24 में अपनी बिजली उत्पादन क्षमता में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी को करीब 43 प्रतिशत तक बढ़ा दिया, साथ ही निजी क्षेत्र के निवेश को भी आकर्षित किया है। नवीकरणीय ऊर्जा में लगातार वृद्धि भी देखी जा रही है लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयला अगले 10 वर्षों तक बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रेमी के दोनों हाथ गमछे से बांध दुपट्टे से गला कसकर मार डाला

संवाददाता–गोण्डा। प्रेमिका ने अपने ही प्रेमी को घर में बुलाकर पहले उसके ही गमछे से दोनों हाथ बांध दिया फिर दुपट्टे से गला कसकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद प्रेमी के ही लुंगी से शव बांधकर एक बोरे में भरकर सिल दिया और बोरा सिर पर लादकर तालाब में फेंक आई। पुलिस ने जब मृतक की काल डिटेल खंगाली तो महिला पर शक हुआ और पूछताछ में उसने प्रेमी की हत्या की बात कुबूल की। पुलिस ने प्रेमिका को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने सोमवार को हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी शरीफुन निशा पत्नी बुद्धू निवासनी कुकरिहा का काफी दिनों से गांव के ही कलामुद्दीन से अवैध संबंध चल रहा था। प्यार में पागल कलामुद्दीन ने अपना खेत बेचकर नकद रुपया और घरेलू सामान भी अपनी प्रेमिका को दे दिए। गांव के कई अन्य लोगों से प्रेमिका द्वारा बातचीत करने से दोनों के बीच झगड़ा हो गया। 15 अगस्त की रात कलामुद्दीन प्रेमिका के घर गया था। प्रेमिका शरीफुन निशा ने कलामुद्दीन को अपने घर से भगा दिया। कलामुद्दीन उसी रात फिर अपनी प्रेमिका के घर पहुंचा तो प्रेमिका शरीफुन निशा ने पहले उससे प्यार से बात की, विश्वास में लेकर उसके हाथ को उल्टा कर उसी के गमछे से बांध दिया, उसके बाद अपने दुपट्टे से गला कसकर उसकी हत्या कर दी। तीतगांव करुवापारा के पास स्थिति भरतानिया तालाब में शनिवार की देर शाम प्लास्टिक के बारे में भरी एक लाश मिली थी। शव की पहचान कलामुद्दीन उर्फ भज्जे (45) पुत्र स्व मोहम्मद अली निवासी कुकरिहा के रूप में हुई थी।

बेटी की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा रू मृतक की बेटी शहनाज की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ कोतवाली इटियाथोक में हत्या व साक्ष्य छिपाने का मुकदमा दर्ज हुआ था।

पुलिस ने हत्या के सभी साक्ष्य को इक्ट्ठा कर गांव की शरीफुन निशा को आरोपी बनाया है । पुलिस ने शरीफुन निशा को कुकरिहा के कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है । गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक दुर्गविजय सिंह, प्रभारी अपराध निरीक्षक रमाशंकर राय, हेड कांस्टेबल राकेश सिंह व संजय निषाद, महिला आरक्षी अनिता देवी व निरमा देवी शामिल रही। प्रेमिका शरीफुन निशा ने अपने प्रेमी कलामुद्दीन को पहले अपना दीवाना बनाया उसके बाद धोखे से उसके ही गमछे से हाथ बांध दिया और अपने दुपट्टे से गलाकर मौत के घाट उतार दिया।

सूरत में कमाने गए युवक की ट्रेन से गिरकर मौत

संवाददाता–गोण्ड। पांच बहनों में अकेले भाई की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पिता की मौत करीब तीन माह पहले ही हुई थी। बूढ़ी मां और बहनों का रो–रो कर बुरा हाल है। थाना धानेपुर के ग्राम रुद्रगढ़ नौसी में 18 वर्षीय युवक अभिषेक कश्यप गुजरात के सूरत शहर में कमाई करने गया था । वहां से कुछ मित्रों के साथ सूरत शहर से थोड़ी दूर स्थित पार्क में घूमकर व मंदिर में दर्शन करके वापस था वापस लौट रहा था । रास्ते में ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। मौत की सूचना उसके पैतृक घर रूद्रगढ नौसी पहुंचे ही घर परिवार पर दुखों का पहाड ही टूट पड़ा । रिश्तेदारों ने बताया कि 55 वर्षीय भवानी कश्यप की मौत लगभग तीन महीने पहले हो गई थी। उनका बेटा अभिषेक उम्र लगभग 18 वर्ष दो महीने पहले परिवार का खर्च चलाने के लिए सूरत शहर कमाई करने चला गया था । सोमवार को कुछ मित्रों के साथ वापी स्टेशन के पास पार्क में घूमने व मंदिर का दर्शन करने गया था। वापस लौटते समय ट्रेन के दरवाजे से नीचे गिर कर उसकी मौत हो गई। उसके सबसे बड़ी बहन की शादी हो गई थी। घर में अविवाहित बहने हेमा लगभग 16 वर्ष , अनुराधा 14 वर्ष , दीपावली 12 वर्ष , दीपांशी 10 वर्ष व उसकी 50 वर्षीय बूढी मां गुडिया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का विहिम ने किया विरोध

संवाददाता– बलरामपुर। बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्यक हिंदूओं पर अत्याचार को लेकर विश्व हिंदू महासंघ ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकारणी जिलाध्यक्ष चौधरी विजय सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन संघ ने जिलाधिकारी को सौंपा।

विश्व हिंदू महासंघ जिलाध्यक्ष चौधरी विजय सिंह के नेतृत्व में वीर विनय चौक के हनुमानगढ़ी मंदिर से जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट पहुंचकर संघ ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वैश्विक पटल पर बांग्लादेश से आ रहे दुरूखद समाचार प्रत्येक हिंदू जन समुदाय को व्यथित कर रहे हैं। जिस प्रकार बांग्लादेश में जातिगत हिंसा की जा रही है और हिंदू जन समुदाय को जानबूझकर निशाना बनाकर आनाचार्य एवं हत्याओं का घिनौनाकृत किया जा रहा है उसे उससे पूरा हिंदू समुदाय दुखी हैं। बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या मात्र नौ प्रतिशत बचा हुआ है। जबकि आजादी के समय 23 प्रतिशत के लगभग हिंदू की आवादी बांग्लादेश में थी। लगभग 14 प्रतिशत हिंदुओं ने आतताइयों के डर से धर्म परिवर्तन कर लिए अथवा जबरन करवा दिया गया, जिन्होंने धर्म परिवर्तन नहीं किया उन्हें बांग्लादेश से पलायन करना पड़ा। भारत एक स्वयं की संप्रभुता वाला देश है और इसकी आबादी हिंदू बहुल्य है। इसलिए भारत का हर हिंदू नागरिक बांग्लादेश के हिंदू उत्पीड़न से व्यथित एवं नाराज है। भारत के आम नागरिक की क्षमता दूसरे राष्ट्र में दखल देने की नहीं है, इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि तत्काल वहां के हिंदुओं के आबरू संपत व जान–माल की रक्षा सुनिश्चित करने का दबाव बांग्लादेश के अंतिम सरकार पर डाला जाए। विश्व हिंदू महासंघ ने राष्ट्रपति से विशेष आग्रह किया है कि तत्काल बांग्लादेश के अंतरिम सरकार को हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार और अनाचार को बंद कर उन्हें तत्काल सुरक्षित करने का सुझाव दिया जाए साथ ही जिन–जिन घरों, दुकानों व मंदिरों को जलाया एवं लूटपाट किया गया है उसे तत्काल उचित मुआवजा व पूरी सुरक्षा प्रदान कराई जाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चौधरी विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया गंगा शर्मा कौशिक, प्रदेश मंत्री भानु प्रताप सिंह, मंडल प्रभारी सुंदर बाबू सिंह, जिला महामंत्री जगदंबा प्रसाद दुबे, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र पाठक, व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश पाहवा, तहसील अध्यक्ष तुलसीपुर मदन लाल जायसवाल, आत्मा राम यादव ब्लाक अध्यक्ष गैसड़ी, राम किशन चौधरी, राजेश प्रताप सिंह, मंगल देव पांडेय, अनूप कुमार यादव, राधेश्याम, नंदलाल जायसवाल, राम अवतार यादव, शिव कुमार यादव, उत्तम कुमार, रोहित पांडेय, जय सिंह, आशीष कुमार गुप्ता, आकाश मोदनवाल समेत भारी संख्या में विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रांसफर के विरोध में उतरे संविदा बिजली कर्मी

संवाददाता–गोण्ड। जिले में संविदा कर्मियों के ट्रांसफर का मामला धीरे–धीरे तूल पकड़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले मंगलवार को दो सौ से अधिक संविदा कर्मियों ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने अधिशासी अभियंता प्रथम के द्वारा किए गए ट्रांसफर को रद्द करने की मांग को लेकर विरोध जताया। मंडल अध्यक्ष अतुल सिंह ने बताया कि अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण प्रथम ने बीते दिनों दो दर्जन संविदा कर्मियों के ट्रांसफर किए है। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों के ट्रांसफर पर कोर्ट ने स्टे दे रखा है। उन्होंने अधिशासी अभियंता प्रथम में दस साल से बाबुओं की और टीजीटू की तैनाती पर सवाल उठाए।

मध्यांचल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि बीते 25 जुलाई को अधिशाषी अभियंता प्रथम राधेश्याम भास्कर ने तीन संविदा कर्मियों का ट्रांसफर किया था। इसमें अकुशल श्रमिक विनय मिश्रा के सत्तर किलोमीटर दूर किया गया जो नियम विरुद्ध है। इसके बाद शुक्रवार देर शाम को 20 संविदा के कुशल और अकुशल श्रमिकों के ट्रांसफर आदेश जारी हुआ। संविदा कर्मियों ने बिजली अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि पहले अपने अधीन दस साल से जमे कार्यालय सहायकों की रिलीविंग करें। इस दौरान जिलाध्यक्ष आशु सिंह, लाल मोहम्मद, महेश शुक्ला, विनोद कुमार चौरसिया, अमित वर्मा, गजेंद्र सिंह, जनार्दन तिवारी, अमित गिरि, संजय पांडेय, सुनील वर्मा, मोहित, सहित अन्य मौजूद रहे। विवादों के साए में संविदा कर्मियों का ट्रांसफर रू संविदा कर्मी संगठन के नेताओं ने बताया कि शुक्रवार को अधिशासी अभियंता प्रथम के जारी किए गए स्थानांतरण आदेश में दो संविदा कर्मी का ट्रांसफर किया गया है जो ईडीडी सेकंड में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि अकुशल श्रमिक चांद बाबू का नवाबगंज (झंझरी) से और दिनेश चंद्र (अम्बेडकर चौराहा) डुमरियाडीह से पुरेशिवा बख्तावर किया गया है।

मुर्गा खाने को लेकर हुए विवाद में नशे में धुत पिता ने इकलौते पुत्र को चाकुओं से गोदकर मार डाला

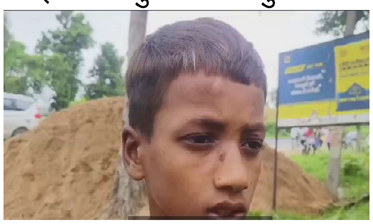

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रक्षाबंधन के दिन एक पिता के हाथों उसके इकलौते बेटे का कत्ल हो गया। पिता के गुस्से से बेकाबू होने की वजह नशे में धुत बेटे का अपनी मां पर हाथ उठाना था। मां, बहू को पीट रहे बेटे को रोकने गई थी। पिता ने बेटे को मां पर हाथ उठाते देखा तो गुस्से से बेकाबू हो गया। नशे में वह खुद भी था। गुस्से और नशे की इस हालत में उसने बिना कुछ सोचे समझे अपने ही इकलौते बेटे पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। उसने एक के बाद एक कई वार कर बेटे को बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। बाद में घरवाले, बेटे को लेकर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्यारोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार अयोध्या के पश्चिमी छोर पर स्थित रमई इंदारा गांव में यह घटना हुई है। पटरंगा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रमई का इंदारा मजरे रानीमऊ गांव है। यहां के रहने वाले रिंकू रावत पुत्र जगदीश रावत उम्र 35 वर्ष सोमवार को रक्षाबंधन की शाम बहनों से राखी बंधवाने के लिए अपने घर आया था। शाम 6रू30 बजे दोनों बहनों ने राखी बांधी। उसके बाद सभी ने शराब पी। रात करीब 9 बजे मां जानकी ने सबको खाना खाने के लिए कहा,लेकिन इकलौता बेटा रिंकू अपनी पत्नी और पांचों बच्चों को लेकर आबादी के मकान में सोने के लिए जा रहा था। जाते समय किसी बात को लेकर पत्नी पर नाराज होते हुए उसे मारने लगा। बहू की चीख पुकार पर सास जानकी उसे बचाने पहुंचीं। नशे में धुत्त रिंकू ने अपनी मां को भी पीट दिया। ये सब देख नशे में धुत्त पिता जगदीश गुस्से से बेकाबू हो गया। उसने अपने इकलौते बेटे के गले पर चाकू से कई वार कर दिए। रिंकू घटनास्थल पर ही लहूलुहान होकर गिर गया। परिवारीजन और पुलिस उसे सीएचसी मवई ले गई। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्यारोपी पिता जगदीश को गिरफ्तार कर लिया है।

वन दरोगा की गाड़ी हादसे का शिकार, ड्राइवर की मौत, चार घायल

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज गोरखपुर वन प्रभाग के बांकी रेंज में तैनात वन दरोगा अजीत पति त्रिपाठी की स्विफ्ट डिजायर कार मंगलवार की सुबह लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे पर हादसे का शिकार हो गई। आगरा जिले के फतेहाबाद के पास डिवाइडर से टकराकर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वन दरोगा सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का आगरा में ही इलाज चल रहा है और इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। देवरिया जिले के ग्राम नोनापार निवासी अजीत पति त्रिपाठी बांकी रेंज में वन दरोगा के पद पर तैनात हैं।

सोमवार की शाम घर से अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से अपनी माता रेनू त्रिपाठी, अपने साले व चचेरे भाई के साथ मेहंदीपुर बालाजी दर्शन के लिए निकले थे। मंगलवार की सुबह उनकी कार आगरा जिले के फतेहाबाद के पास डिवाइडर से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में श्यामदेउरवा क्षेत्र के हरपुर तिवारी निवासी कार चालक अंकित यादव पुत्र रामजी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं वन दरोगा अजीत पति त्रिपाठी, उनकी मां, साला व चचेरा भाई बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद कार में सवार लोगों में चीख–पुकार मच गई। हादसे की खबर पर मौके पर पहुंची यूपीडा की टीम व फतेहाबाद पुलिस ने घायलों को कार से निकालकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद पहुंचाया, जहां चालक को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की खबर पाकर फतेहाबाद के वन क्षेत्राधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे।

मां सरयू तट पर आचार्य वीरेंद्र कुमार द्विवेदी के आचार्यत्व श्रावणी पूजन हुआ संपन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के झुनकी घाट पावन तट पर आचार्य वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी आचार्यत्व में सावन पूर्णिमा पर विधि विधान से श्रावणी स्नान संपन्न हुआ उसके उपरांत लक्ष्मण घाट स्थित गोपाल मंदिर में श्रावणी उपाकर्म का कार्यक्रम किया गया। श्रावणी ब्राह्मणों का प्रमुख पर्व ,त्यौहार है, जिसमें नदी व जलाशयों में सभी ब्राह्मण उपस्थिति होकर विधि विधान के साथ प्रथम हेमाद्रिक संकल्प के साथ प्रक्रिया शुरू की जाती है, जिसमें वर्षभर में यवद्जीवन प्रयंत वाल्या अवस्था से लेकर वृद्धा अवस्था तक ज्ञात, अज्ञात, प्रायश्चित, समन का संकल्प के साथ में दश विधि स्नान जिसमें कई प्रकार के वस्तुओं औषधियों से स्नान कराया गया जिसमे ब्रह्मण समाज एवम सर्व समाज के कल्याण के लिए रोग मुक्ति के लिए तथा प्रखर ज्ञान वर्धक ओजस्विता प्राप्त करने के लिए इस कार्यक्रम में ऋषि तर्पण, देव तर्पण, पितृ तर्पण एवम पितामह के आत्म तृप्ति के लिए तर्पण किया गया साथ में लुप्त पिंड का तर्पण किया गया। संध्या एवम सूर्योपस्थान हुआ सप्त ऋषियों एवम मां अरुंधती का पूजन गोपाल मंदिर लक्ष्मण घाट में विधि विधान से संपन्न हुआ।

आचार्य वीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि श्रावणी पूजन में लगभग 40 ब्राह्मण उपस्थित हुए यह पूजन ब्राह्मणों के लिए सर्वश्रेष्ठ है सरयू में स्नान के बाद सभी पाप का सामान किया जाता है निश्चित ही श्रावणी पूजन सभी को करना चाहिए। श्रावणी पूर्णिमा तक के अवसर पर विधि विधान से यह कार्यक्रम संपन्न किया गया।श्रावणी महापर्व आयोजित कर वर्ष भर के लिए ऋषि परंपरा द्वारा ब्राह्मण को शुद्ध पूजित यज्ञोपवित प्रदान किया जाता है और प्रायश्चित स्वरूप दही, जौ का सेवन किया जाता है जिसमे आध्यात्मिक शक्ति प्रदान किया जाता है। पूजन में मुख्य रूप से दिलीप राम त्रिपाठी जी प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय चाणक्य परिषद,आचार्य राधेश्याम मिश्र, धीरज अग्निहोत्री, रणंजय शास्त्री, सूर्य कांत मिश्र, शेखर द्विवेदी, राजकुमार द्विवेदी, घनश्याम किशोर मिश्र, ब्रह्मदेव पांडेय, सुरेश पांडेय, हरिश्चंद्र पाठक, शिवम तिवारी, यशोदा नंदन रामायणी, मधुसूदन दास ,आचार्य रामानंद त्रिपाठी सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जीजा की धमकी से तंग दो सगी बहनें नदी में कूदीं, मौत

संवाददाता–गोण्ड। जीजा की धमकी से तंग दो सगी बहनों ने रक्षाबंधन के दिन बिसुही नदी में कूद कर जान दे दी। मृतका सुनीता देवी के पिता सुरेश कुमार की तहरीर पर आरोपी दामाद अशोक कुमार के खिलाफ आत्मा हत्या के लिए मजबूर करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला कोतवाली मनकापुर के तामापार गांव के मजरा गोफा से जुड़ा है। सोमवार रक्षाबंधन के दिन सुबह सुबह– दो सगी बहनें सुनीता देवी (23) व पुनीता देवी (18) पुत्री सुरेश कुमार उर्फ गोबारी शौच के लिए घर से निकलीं थीं। घर से मात्र 200 मीटर की दूरी पर बह रही बिसुही नदी में एक दूसरे का हाथ दुपट्टे से बांधकर कूद गईं। घटना की सूचना पर एसडीएम यशवंत राव ,सीओ आरके सिंह, कोतवाल संतोष कुमार मिश्र व चौकी प्रभारी अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ टीम भी बुलाई गयी। टीम के आने के पहले ग्रामीणों की मदद से दोनों लड़कियों के शव को नदी से निकाल लिया गया। सोमवार देर रात दोनों शवों को इक्टठा जेसीबी से खुदाई करके घुनाही घाट पर मिट्टी दे दी गयी। पीड़ित पिता सुरेश ने बताया कि दोनों बेटियां एक इंटर कालेज में पढती थी। सुनीता ने हाल ही में पढाई छोड़ी थी जबकि पुनीता कक्षा ग्यारह में थी। बड़ी बेटी की शादी पचपुतीजगतापुर कोल्हारगांव में हुई हैं। उसकी तबीयत खराब थी तो मझली बेटी सुनीता देवी बड़ी बेटी के घर गई थी। वापस आने पर बतायी कि जीजा भद्दे–भद्दे अपशब्द कहता है और धमकी देता है कि तुम्हारी शादी कहीं नहीं होने देंगे। नागपंचमी के दिन वहां से वापस आयी थी। आरोप है कि दामाद अशोक मेरी दोनों बेटियों को प्रताड़ित करता था। बेटियों ने मुझे 18 तारीख को बताया था कि जीजा अपशब्द कहते हैं। कहते हैं कि तुम्हारी शादी नहीं होने देंगे। संतोष कुमार मिश्र, कोतवाल ने कहा कि युवतियों के पिता की लिखित शिकायत पर आरोपी अशोक कुमार पुत्र गंगू निवासी पचपुतीजगतापुर (कोल्हारगांव) के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

समोसा और पनीर खाकर सोए भाई–बहन, सुबह दोनों की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा इलाके में रक्षाबंधन का दिन एक भाई और उसकी बहन के लिए मौत का दिन बन गया। दोनों रात में समोसा और पनीर खाकर सोए थे। मंगलवार की सुबह दोनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीम की जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि लड़की की उम्र 21 साल है। उसका नाम पूजा था। उसके भाई का नाम विकास था। विकास 15 साल का था। दोनों बेलघाट थाना क्षेत्र के मूल निवासी हैं। गीडा में किराये का कमरा लेकर रहते थे। बताया जा रहा है कि भाई–बहन बिस्किट बनाने वाली एक फैक्ट्री में काम करते थे। दोनों रात में समोसा और पनीर खा कर सोए। भोर में तीन बजे पेट में दर्द होने के बाद दोनों डॉक्टर के पास गए। डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया। आराम होने पर दोनों घर लौट आए। मंगलवार की सुबह उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों की मौत हो गई। पुलिस प्रथम दृष्टया भाई–बहन की मौत की वजह फूड प्वाइजनिंग मान रही है। हालांकि पूरे घटनाक्रम को लेकर पड़ोसी हैरान हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि समोसे और पनीर में ऐसा क्या हो सकता है जिससे जानलेवा फूड प्वाइजनिंग हो जाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पटरा, बल्ली उतार रहे मजदूर की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। छत से पटरा बल्ली उतार रहे एक मजदूर का पैर फिसल गया। इससे मजदूर छत पर सिर के बल गिरने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भिनगा कोतवाली क्षेत्र के मटखनवा निवासी श्यामू (28) पुत्र फकीरे इसी गांव निवासी विनोद राणा के यहां मजदूरी कर रहा था। मंगलवार को वह काम करने गया था और छत के ऊपर से पटरा बल्ली उतार रहा था। बल्ली उठाते ही उसका पैर फिसल गया और वह छत पर सिर के बल गिर गया। इससे उसके सिर में गहरी चोट आ गई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना परिजनों को दी गई।

मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर में मातम पसरा हुआ है।

रेजीडेंट डाक्टरों का धरना जारी, नारेबाजी

संवाददाता–गोण्ड। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ट्रेनी डाक्टर की रेप के बाद हत्या के विरोध में मंगलवार को भी रेजीडेंट डाक्टरों ने धरना देकर प्रदर्शन किया। स्वशासी मेडिकल कॉलेज के जूनियर व सीनियर रेजीडेंट डाक्टर ओपीडी में नहीं बैठे। अस्पताल में हेल्पडेस्क के सामने धरना दिया और मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। हालांकि, दोपहर बाद शोकसभा के चलते डाक्टर धरने से उठ गए। जूनियर व सीनियर रेजीडेंट डाक्टरों के ओपीडी में न बैठने से स्वास्थ्य प्रभावित रहीं। वार्डों में भी जूनियर रेजीडेंट डाक्टरों ने काम नहीं किया, जिससे भर्ती मरीज स्टाफ नर्स के भरोसे रहे। हालांकि पीएमएस के डाक्टर ड्यूटी पर रहे और उन्होंने ओपीडी में भी बैठकर काम किया। रेजीडेंट डाक्टरों की हड़ताल का सबसे अधिक प्रभाव नेत्र विभाग में देखने को मिला। वहां एक डाक्टर सीनियर रेजीडेंट डा आयुषी सरदाना की ही नियुक्ति है। उनके ओपीडी में न बैठने से नेत्र परीक्षण अधिकारी मनोज श्रीवास्तव को ही ओपीडी में बैठकर मरीज देखना पड़ा। बाकी सीनियर रेजीडेंट डाक्टरों के ओपीडी में न बैठने से लोगों की भीड़ पीएमएस डाक्टरों के ओपीडी में उमड़ पड़ी थी । प्रदर्शन के दौरान डा श्रुति गुप्ता, डा राकेश कुमार, डा मिथिलेश, डा गौतम माहेश्वरी डा इंद्रदेव मिश्रा, डा उमंग सिंह, डा आयुषी सरदाना, डा शाकिब रिजवान, डा आकांक्षा शंकर, डा नईम, डा हर्षा, डा सलमान, डा निदा, डा जेबा, डा मांडवी, डा अखिलेश सिंह, डा रमेश पांडेय, डा सर्वेश तिवारी, डा नेहा यादव, डा शिवांगी, डा शिल्पी तिवारी, डा श्वेता आदि मौजूद रहीं।

मौनी मांझा,श्री रामानंद आश्रम दर्शन भवन और खडेंश्वरी मंदिर में झूलनोत्सव का हुआ समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या ।श्री सद्गुरु के सदनवा हो पिया झूले झुलनवा जैसे मधुर संगीत से झूलनोत्सव पूरा मौनी मांझा मंदिर परिषद परिसर गूंज रहा है। मंदिर के महंत राम प्रिया दास महाराज के सानिध्य में झूलन सरकार झूले पर विराजमान है स्वयं श्री महाराज जी ठाकुर जी को पद सुन कर रिया रहे हैं पूरा कार्यक्रम उत्तराधिकारी महंत प्रेमदास के संयोजन में मनाया जा रहा है। जिसमें देश के कोने–कोने से आए कलाकार अपनी प्रस्तुति से सभी को मंत्र मुक्त करें, है झूलनोत्सव का उमंग अपने चरमोत्कर्ष पर है क्योंकि महोत्सव का समापन अयोध्या के सभी मंदिरों में श्रावण मास की पूर्णिमा को होगा। महंत राम प्रिया दास महाराज ने बताया कि मंदिर में झूलन महोत्सव का सदियों पुरानी परंपरा है जिसका निर्वाह पूर्वाचार्यों द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार गुरुदेव भगवान के सानिध्य में श्रावण मास की तृतीय से प्रारंभ हो जाता है और पूर्णिमा तक चलता है। इसके साथ श्री रामानंद आश्रम दर्शन भवन जानकी घाट अयोध्या में महंत डॉ ममता शास्त्री के संयोजन में झूलनोत्सव पूरे उमंग पर है, पूरा मंदिर परिसर.... झूलने में आज सज

धज कर जुगल सरकार बैठे हैं,अलीन मनमोहिनी मानो सु छवि श्रृंगार बैठे हैं....जैसे लोकगीत से गूंजायमान हो रहा है। डॉ ममता शास्त्री ने बताया कि आज हम लोग 500 वर्षों के संघर्ष के बाद प्रभु श्री राम को अपने जन्म स्थान पर विराजमान होते देखा और सम्मिलित कीजिए उन्होंने बताया कि यह वही स्थान है जहां से हमारे गुरुदेव भगवान पूर्व सांसद विश्वनाथ दास शास्त्री महाराज राम मंदिर आंदोलन का संचालन करते थे और हम लोग बचपन से ही मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे उसके सभी गतिविधियों को देखते रहे आज गुरुदेव भगवान नहीं है लेकिन उनकी पूर्ण स्मृति इस मंदिर में विराजमान है उन्हीं के आशीर्वाद से उत्सव मनाया जा रहा है और ऐसे लाखों संतो के संघर्ष के बाद सुखद अवसर हम सबको प्राप्त हुआ 22 जनवरी को प्रभु अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए उसके बाद यह पहला सावन बड़ी ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

श्री राम नगरी के परिक्रमा मार्ग पर स्थित श्री राम वैदेही खड़ेश्वरी मंदिर में झूलन महोत्सव का उमंग देखते ही बनता है यह उत्सव महंत राम प्रकाश दास महाराज के संयोजन में श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी पर प्रारंभ हुआ और पूर्णिमा तक है। मंदिर परिसर मंदिर.... प्रीतम प्रिया की झूलन दिल में समा रही है,अद्भुत अनूप झांकी वरनी ना जा रही है।.... मधुर धुन से गूंजायमान हो रहा है। महंत राम प्रकाश दास महाराज ने बताया कि श्री पत्थर मंदिर का इतिहास हजारों वर्ष पुराना और जिस झूले पर ठाकुर जी विराजमान हुई, उसे झूले का इतिहास भी सैकड़ो वर्ष पुराना पूर्वाचार्यों द्वारा बनाई गई परंपरा का आज भी निर्वाह किया जा रहा है और उन्हीं लोगों के आशीर्वाद से मंदिर परिसर में यह झूलनोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हो रहा है एकादशी से प्रारंभ हुआ झूला श्रावण मास की पूर्णिमा तक चलेगा सोमवार को गीत संगीत के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

बदइंतजामी से हर बारिश में डूबता है इकौना नगर

संवाददाता–श्रावस्ती। नगर पंचायत इकौना जलभराव की स्थिति से जूझ रहा है। यहां हर बारिश में अस्पताल समेत सरकारी दफ्तर व मोहल्ले जलमग्न हो जाते हैं। हर साल विकास के लिए लाखों रुपये का बजट खर्च होता है इसके बाद भी जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। बीते पांच दिनों से जनपद में बारिश हो रही है। बारिश से जहां उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है तो वहीं फसल को पानी मिलने से किसान खुश हो गए। लगातार मूसलाधार बारिश के चलते कई स्थानों पर जलभराव के कारण लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। जबकि बारिश से इकौना नगर पंचायत सबसे अधिक प्रभावित रहा। सोमवार को यहां सीओ कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर, केन्द्रीय प्राइमरी स्कूल, एबीएसए कार्यालय, महिला अस्पताल, खंड विकास कार्यालय, आंगनबाड़ी कार्यालय, परिवहन बस स्टॉप, निरीक्षण भवन बारिश के पानी से जलमग्न हो गए। इन सरकारी दफ्तरों में घुटनों तक पानी भर गया और लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि हर बारिश में सरकारी दफ्तर ऐसे ही जलमग्न हो जाते हैं। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने से पानी निकलने में पूरा दिन लग जाता है। निरीक्षण भवन में तो कई दिनों तक जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इतना ही नहीं तेज बारिश होने पर दुकानों व घरों में भी पानी भर जाता है। मुख्य मार्ग होते हैं जलमग्न, दुकानों में भर जाता है पानीरूरविवार दिन भर व सोमवार दोपहर तक हुई मूसलाधार बारिश से इकौना नगर के मुख्य मार्ग की सड़क पूरी तरह से जलमग्न हो गई। वहीं लोगों की दुकानों में भी बारिश का पानी भर गया। इससे लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। जबकि लोग घुटनों तक भरे पानी के बीच से होकर निकलते देखे गए। लोगों की माने तो नगर पंचायत इकौना के अधिकारियों की ओर से जल निकासी के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाए जाने से लोगों को इस समस्या से जूझना पड़ रहा है।

मुआवजे की मांग को लेकर भाकियू ने जिलाधिकारी कार्यालय पर की किसान पंचायत

संवाददाता–देवरिया। एन एच 727 ए देवरिया बाईपास से प्रभावित किसानों को बाजार मूल्य के हिसाब से उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने टाउन हॉल से कलक्ट्रेट तक प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय में किसान महापंचायत का आयोजन किया।

किसान महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने कहा कि जब तक प्रशासन द्वारा एनएच बाईपास का उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, किसान अपनी जमीन नहीं देंगे। सभा को भारतीय किसान यूनियन युवा के अध्यक्ष अनुज सिंह, भारतीय किसान यूनियन पूर्वी उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष विनय कुमार सिंह सैंथवार तथा जिला अध्यक्ष बड़े शाही ने संबोधित किया। हाथों में मोटा डंडा और टोपी लगाए किसान घंटों कलेक्ट्रेट में जम रहे। महापंचायत को भाकियू जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, नीरज मिश्रा, शहीद ख्वाजा मंसूरी, सुनील राय, सुधीर चौहान, अच्युतनानंद तिवारी, अखिलेश यादव, सतेन्द्र यादव, शिवाजी चौहान, चन्दन मिश्रा, लाल प्रताप सिंह आदि ने संबोधित किया।

समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है शिक्षा, सीएम योगी ने किया 'रोड टू स्कूल' का शुभारंभ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी समर्थ और सशक्त राष्ट्र की सबसे प्रमुख उपलब्धि शिक्षा होती है। शिक्षा सभ्य व समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है। शिक्षा के बिना मानवीय मूल्यों और जीवन सृष्टि की आवश्यकताओं की पूर्ति की कल्पना नहीं की जा सकती है। सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर के चरगांवा ब्लॉक के लिए निपुण भारत मिशन के तहत प्रदेश में 'रोड टू स्कूल' के पहले प्रोजेक्ट का शुभारंभ कर रहे थे। चरगांवा ब्लॉक क्षेत्र के एक रिजॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

व्यक्ति आत्मनिर्भर होगा तो समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर होगा। ऐसे में कोई कारण नहीं कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से वंचित रह जाए। उन्होंने शिक्षा के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि प्राचीन समय से अलग अलग कालखंडों में शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के प्रयास किए गए। इसमें गुरुकुल प्रणाली भी प्रेरक रही। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, काशी, कांचीपुरम की ख्याति अध्ययन और अध्यापन के बेहतरीन केंद्र के रूप में रही। प्राचीनकाल के अलावा बदले हालात में देश को आजादी मिलने के बाद भी शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रयास हुए लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सीएम योगी ने पिछले सात सालों से सरकार के प्रयासों से प्रदेश के परिषदीय स्कूलों की दशा में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 के पहले ड्रापआउट एक बड़ी समस्या थी। बड़ी संख्या में नामांकित बच्चे भी स्कूल नहीं आते थे तो कई कक्षा पांच के बाद छह में और कक्षा आठ के बाद नौ में एडमिशन नहीं लेते थे। सरकार ने स्कूल चलो अभियान में शिक्षकों की भूमिका को महत्व दिया तो आज ये समस्या दूर होती जा रही है।

स्कूल चलो अभियान का परिणाम है कि 2017 के बाद यूपी के परिषदीय विद्यालयों में 50 से 60 लाख नए बच्चे बढ़े हैं। बीच के दो साल कोरोना से प्रभावित होने के बावजूद इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 1.34 करोड़ से बढ़कर 1.92 करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि जब हम बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएंगे तो भारत का भविष्य उज्ज्वल बनाने में सफल होंगे। स्कूली शिक्षा को मजबूत करने के लिए संसाधन से लेकर प्रोत्साहन तक दिए गए ध्यान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और मानिंद लोगों को साथ लेकर प्रदेश में बड़ी संख्या में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत स्कूलों को सुदृढ़ बनाया गया है। यहां शानदार फर्नीचर व अन्य सुविधाओं के साथ स्मार्ट क्लास बनाए गए हैं।

बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करने को यूनिफॉर्म, कॉपी किताब, बैग, जूता मोजा आदि के लिए सरकार हर बच्चे के अभिभावक को 1200 रुपये की धनराशि देती है। बालिकाओं की शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को संसाधन सम्पन्न बनाया जा रहा है। श्रमिकों के पाल्यों की मुफ्त शिक्षा के लिए सभी मंडल मुख्यालय पर अटल आवासीय विद्यालय खोले गए हैं। जल्द ही 57 जिलों में डे स्कूल खोले जाएंगे। शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ही पीएम श्री और मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मिलकर प्रयास होंगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप निपुण भारत मिशन से निपुण उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए हम सफल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रोड टू स्कूल प्रोजेक्ट स्कूल चलो अभियान का ही नया रूप है। इसमें रिसोर्स पर्सन और उनके ऊपर की टीम एक पिरामिड के रूप में बच्चों को स्कूल लाने, उनकी उपस्थित बनाए रखने और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और कला कौशल की मॉनिटरिंग करती है। रोड टू स्कूल में बच्चों को उदाहरण देकर सिखाने ओर जोर है। यह एक अभिनव कार्यक्रम है जो बच्चों के शत प्रतिशत नामांकन, कक्षा में उनकी नियमित उपस्थिति और आगे की कक्षाओं में प्रवेश के लिए संवेदनशील प्रयास करता है।

शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए जो तमाम प्रयास हो रहे हैं, रोड टू स्कूल उसी का हिस्सा है। बेसिक शिक्षा विभाग के साथ मिलकर 'रोड टू स्कूल' प्रोजेक्ट शुरू करने के मुख्यमंत्री ने अशोक लीलैंड लिमिटेड और उसके कार्यान्वयन भागीदार लर्निंग लिंक फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। सीएम योगी ने बताया कि रोड टू स्कूल प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में चरगांवा ब्लॉक के सभी 78 परिषदीय विद्यालयों (प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट) को शामिल किया गया है। इससे 17781 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। दूसरे चरण में भटहट ब्लॉक के सभी 90 परिषदीय विद्यालयों के 16434 छात्रों को फायदा होगा। रोड टू स्कूल प्रोजेक्ट में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने, ड्राप आउट रोकने, बच्चों में पठन–पाठन के प्रति अभिरुचि बढ़ाने, उनके स्वास्थ्य देखभाल और उन्हें खेल एवं कौशल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षक नए भारत के निर्माता हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए खुद को भी ज्ञान के विविध आयामों से अपडेट रखें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपने विषय और फील्ड के साथ सामाजिक दायित्वों की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि वे बच्चों को योग्य नागरिक बना सकें। खुद को अपडेट रखकर ही वे बच्चों को कुशल बना पाएंगे और आने वाली पीढ़ी उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करेगी।

उधार मांगना पड़ गया भारी, मनबढ़ ने रेत दिया दुकानदार का गला

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा गजपुर मार्ग के गंभीरपुर गाव के पास बांकेलाल गुप्ता की एक किराने की दुकान है। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे गंभीरपुर गांव का रहने वाला सूरज सिंह सामन लेने के लिए बांकेलाल गुप्ता की दुकान पर पहुंचा। चूंकी सूरज का बांकेलाल की दुकान पर पहले से कुछ पैसा उधार था तो उन्होंने सामान देने से मना कर दिया और अपना उधार पैसा मांगने लगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासूनी हो गई। इतने में सूरज सिंह बौखला गया और गुस्से में गाली देते हुए दुकानदार बांकेलाल के गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे दुकानदार बांकेलाल गुप्ता गंभीर रुप से घायल हो गए। फिलहाल उनका एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध मे गगहा थाना प्रभारी राजमणि शुक्ला का कहना है कि घटना की जानकारी होने पर पुलिस मोके पहुच ग है.तहरीर के अधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा.

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, बढ़नी, सिद्धार्थनगर।

पत्रांकः–ख0शि0अ0/नीलामी प्र0वि/191/94/2024–25   दिनांक–: 17.08.2024

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर के कार्यालय पत्राक– एस०एस०ए०/ निर्माण/3272–77/2024–25 दिनाक 06.08.2024 के द्वारा विकास खण्ड–बढनी सिद्धार्थनगर के विद्यालय कम्पोजिट खैरी शीतल प्रसाद प्रा०वि० मूलभवन प्रा०वि० रोमनदेई, मूलभवन तथा उ०प्रा०वि० खैरा बाजार मूल भवन को जर्जर घोषित करते हुए। ब्लाक स्तरीय समिति को निर्देशित किया गया है, जिसके क्रम में कम्पोजिट खैरी शीतल प्रसाद (न्यूनतम दर–40444.30), प्रा०वि० रोमनदेई (न्यूनतम दर–53645.40) तथा उ०प्रा०वि० खैरा बाजार (न्यूनतम दर–27758.10) की नीलामी दिनाक 22.08.2024 को स्थान कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, बढ़नी, सिद्धार्थनगर परसा स्टेशन विद्यालय के कैम्पस में होगी। नीलामी प्रक्रिया में बोली लगाने के इच्छुक व्यक्ति/सस्था निर्धारित मूल्य का 25 प्रतिशत नकद रूप में नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकते हैं। अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति /सस्था के पक्ष में भवन नीलामी के लिये अधिकृत होगा तथा शेष समस्त व्यक्ति/सस्था को उनके द्वारा जमा की गयी धनराशि वापस कर दी जायेगी।

खंड शिक्षा अधिकारी
बढ़नी सिद्धार्थनगर।

सीएम ने सुनी फरियाद, भूमाफियाओं को जेल भेजने के दिए निर्देश

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि गरीबों को उजाड़ने का दुस्साहस करने वाले माफिया, दबंगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। गरीबों की जमीन तो बचाई ही जाएगी, साथ ही जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सीएम योगी ने उक्त निर्देश मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए।

उनकी बात इत्मीनान से सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि प्रभावी कार्रवाई करते हुए सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जमीन कब्जा किए जाने की कुछ शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी ने कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 36/2021
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

शान्ती
बनाम
संतोष कुमार कलहंस आदि

4. श्री सूरज त्रिपाठी पुत्र श्री सुवाष चन्द्र त्रिपाठी निवासी लेन नं0–4,36 शिवपुरी कालोनी सिमैप लखनऊ 226015 (स्वामी बस नं0 UP 32/LN 6039)
5. श्री राहुल बाबा पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम बड़ेवन पो0 गांधीनगर जिला–बस्ती उ0प्र0 (227001)

तारीख पेशी 22–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 433/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

अमित त्रिपाठी
बनाम
प्रतिमा पाण्डेय

1. प्रतिमा पाण्डेय पत्नी अजय कुमार पुत्री ओम प्रकाश साकिन मौजा मुण्डेरवा लोहदर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 57/2024
प्रतिभा शर्मा–सायल
1 प्रतिभा शर्मा उम्र 40 वर्ष पुत्री जयनरायन पत्नी प्रमोद कुमार शर्मा ग्राम पचीसा पो0 समसपुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 27–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी चम्मन पुत्र स्वर्गीय श्री मतऊ ग्राम सेमरा चींगन पोस्ट– उमरिया थाना कलवारी, तहसील बस्ती सदर जनपद बस्ती का निवासी है। प्रार्थी के चार पुत्र राजेश, रवीश, महेश, उमेश और एक लड़की कु0 सोनाली है। मेरे पुत्र राजेश और रवीश का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं है। आये दिन बहुओं के साथ मिलकर कलह करते हैं। हम प्रार्थी मेरी पत्नी श्रीमती कुमारी को मारते–पीटते हैं और पैतृक जमीन को बैनामा कर देने की मांग करते हैं। इससे हम प्रार्थी और मेरा परिवार काफी परेशान है। इससे दुःखी होकर मैं अपने पुत्र राजेश, बहू गुन्जा और रवीश बहू संगीता को अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन–देन, वाद विवाद आदि के लिये वे स्वंय जिम्मेदार होंगे। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम कृष्ण ओझा पुत्र श्री राजमनि ओझा ग्राम खैरी पोस्ट– महराजगंज थाना हर्रैया, तहसील हर्रैया जनपद बस्ती का निवासी है। प्रार्थी के दो पुत्र राहुल ओझा और योगेश ओझा हैं। मेरे पुत्र राहुल ओझा और योगेश ओझा का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं है। ये दोनों मेरे धन का दुरूपयोग कर रहे हैं और पढाई छोड़कर मनमानी कर रहे हैं। वे परिवार की बात नहीं मानते, इससे हम प्रार्थी और मेरा परिवार काफी परेशान है। इससे दुःखी होकर मैं और पत्नी श्रीमती गायत्री देवी अपने दोनों पुत्रों को चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहें हैं। अपने किसी भी कृत्य, लेन–देन, वाद विवाद आदि के लिये वे स्वंय जिम्मेदार होंगे। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com